कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (65) खण्ड - {129}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- अभी मनुष्य जो दान करेंगे ईश्वर अर्थ, कुछ भी मिलेगा नहीं । व्योंकि -

A- ईश्वर को जानते नहीं

B- विनाश सामने खड़ा है

C- भक्ति मार्ग है

D- ईश्वर तो अभी आया है स्वर्ग की राजाई देने

प्रश्न 2- तकदीर कैसे बनती है ?

A- तीनों सेवा साथ-साथ करने से

B- श्रीमत पर चलने से

C- याद से

D- गीता के ज्ञान से

प्रश्न 3- संगमयुग पर सबसे तकदीरवान किसको कहेंगे ?

A- जिन्होंने अपना तन-मन-धन सब सफल किया है।

B- हिम्मत रख अनेकों का भाग्य बनाने वाले।

C- चुस्त स्टूडेन्ट।

D- जिन्होंने भगवान को जाना है।

प्रश्न 4- सुस्त वह हैं जो -

A- मनन चिन्तन नहीं करते।

B- जिन्हें सारा दिन मित्र-सम्बन्धी याद आते हैं।

C- किसी को ज्ञान सुना नहीं सकते।

D- बाप को भूल जाते हैं।

प्रश्न 5- झाड़ में दिखाया जाता है फलाने-फलाने धर्म फिर कब स्थापन होंगे । सही क्रम पहचानिए ?

A- देवी- देवता, इस्लामी, क्रिश्चियन, बौद्धी, संन्यासी

B- देवी- देवता,इस्लामी, , बौद्धी, संन्यासी, क्रिश्चियन

C- देवी- देवता,इस्लामी, संन्यासी, बौद्धी, क्रिश्चियन

D- देवी- देवता, इस्लामी, बौद्धी, क्रिश्चियन,संन्यासी

प्रश्न 6- योग से है मुक्ति, ज्ञान से है,..... ?

A- जीवनमुक्ति

B- समझ

C- नालेज

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- पाण्डव और कौरवों का युद्ध कब हुआ ?

A- कलयुग अंत महाभारत के समय

B- संगमयुग में

C- द्वापर युग में

D- सब हैं बनावटी बातें

प्रश्न 8- कोई गणेश का पुजारी होगा तो उनको गणेश का साक्षात्कार कौन करायेंगे ?

A- शिवबाबा

B- गणेशजी

C- ड्रामा

D- भक्ति की शक्ति

प्रश्न 9- रावण को दुश्मन समझकर कब से जलाते हैं ?

A- द्वापर आदि से

B- जब तमोप्रधान बनते हैं तब से

C- जब बहुत दुःख होता है तब से

D- कलियुग आदि से

प्रश्न 10- ज्ञान सूर्य नाम से कौन से देश में वो लोग अपने को सूर्यवंशी कहलाते हैं ?

A- जापान में

B- रशिया में

C- भूटान में

D- भारत में

प्रश्न 11- अन्धों की लाठी बनना है, सिर्फ यह बतलाना है कि -

A- परमात्मा एक निराकार शिव बाबा है।

B- अपने को आत्मा समझो।

C- पवित्र बनना है।

D- बाप और वर्से को याद करो, विनाश सामने खड़ा है।

प्रश्न 12- एक बाप के अलावा और कोई के साथ दिल नहीं लगानी है, नहीं तो -

A- जरूर वह सामने आयेंगे, वैर जरूर लेंगे।

B- तो धर्मराज से डन्डा खायेंगे।

C- देह-अभिमानी बनेगे।

D- विकर्म विनाश हो नहीं सकेंगे।

प्रश्न 13- अगर घड़ी-घड़ी भूल होती है तो समझना चाहिए -

A- विकर्मों का बोझा बहुत है।

B- साधारण नौकर-चाकर बनते हैं।

C- हमारा बहुत नुकसान होगा।

D- पद कम मिलेगा।

प्रश्न 14- स्वभाव ..... और पुरूषार्थ अटेन्शन वाला बनाओ ?

A- मीठा

B- इज़ी

C- सरल

D- शुभ भावना

प्रश्न 15- इस पुरानी दुनिया से दिल क्यों नहीं लगानी है ?

A- पुरानी दुनिया में कोई भी सार नहीं है।

B- पुरानी दुनिया खत्म होनी है।

C- यहां सब पाप आत्मा है।

D- नई दुनिया में जाना है।

प्रश्न 16- देह-अहंकार से नुकसान बहुत होता है, इसलिए -

A- कोई के शरीर से दिल नहीं लगानी है।

B- देह सहित सब-कुछ भूल जाना है।

C- मन्सा में तूफान बहुत आते हैं।

D- आत्मा भाई भाई की दृष्टि पक्की करनी है।

भाग (65) खण्ड {129} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.ईश्वर तो अभी आया है स्वर्ग की राजाई देने*

*अभी मनुष्य जो दान करेंगे ईश्वर अर्थ, कुछ भी मिलेगा नहीं। ईश्वर तो अभी आया है स्वर्ग की राजाई देने। * दान-पुण्य करने वालों को कुछ भी मिलेगा नहीं। संगम

पर जिन्होंने अपना तन-मन-धन सब सफल किया है वा कर रहे हैं, वह हैं तकदीरवान।

उत्तर 2- *D.गीता के ज्ञान से*

शिवबाबा ही दैवी धर्म की स्थापना करते हैं। तुम बच्चे कहते हो हम आये हैं तकदीर बनाने। आत्मा जानती है हम परमपिता परमात्मा से अब तकदीर बनाने आये हैं। यह है प्रिन्स-प्रिन्सेज बनने की तकदीर। *गीता के ज्ञान से ही तकदीर बनती है।*

उत्तर 3- *A.जिन्होंने अपना तन-मन-धन सब सफल किया है*

संगमयुग पर जिन्होंने अपना तन-मन-धन सब सफल किया है वा कर रहे हैं - वो हैं तकदीरवान। कोई-कोई तो बहुत मनहूस होते हैं फिर समझा जाता है तकदीर में नहीं है। समझते नहीं कि विनाश सामने खड़ा है, कुछ

तो कर लें। तकदीरवान बच्चे समझते हैं बाप अभी सम्मुख आया है, हम अपना सब-कुछ सफल कर लें।

उत्तर 4- *B.जिन्हे सारा दिन मित्र- सम्बन्धी याद आते हैं*

मीठे बच्चे - चुस्त स्टूडेन्ट बन अच्छे मार्क्स से पास होने का पुरूषार्थ करो, सुस्त स्टूडेन्ट नहीं बनना, *सुस्त वह जिन्हें सारा दिन मित्र-सम्बन्धी याद आते हैं*

उत्तर 5- *D.देवी-देवता, इस्लामी, बौद्धी, क्रिश्चियन, सन्यासी*

अभी तुम जान गये हो– शिवबाबा ब्रह्मा द्वारा आदि सनातन *देवी-देवता धर्म की स्थापना कर रहे हैं।फिर इस्लामी, बौद्धी, क्रिश्चियन (संन्यास धर्म) आदि यह सब कल्प वृक्ष के टाल हैं।* गीता में भी लिखा हुआ है - मनुष्य सृष्टि का झाड़ है। तो यह झाड़ का राज़ बुद्धि में

अभी बैठा है। इसका मुख्य थुर है - आदि सनातन देवी-देवता धर्म।

उत्तर 6- *A.जीवनमुक्ति*

योग से है मुक्ति, ज्ञान से है जीवनमुक्ति। दो वर्से मिलते हैं। इसमें सिर्फ 3 पैर पृथ्वी के चाहिए, और कुछ नहीं। गॉड फादरली युनिवर्सिटी खोलो। विश्व विद्यालय वा युनिवर्सिटी, बात तो एक ही हुई। यह मनुष्य से देवता बनने की कितनी बड़ी युनिवर्सिटी है।

उत्तर 7- *D.सब हैं बनावटी बातें*

यह जो दिखाते हैं पाण्डव और कौरवों की युद्ध हुई, यह सब हैं बनावटी बातें। अभी तुम समझते हो वह है जिस्मानी डबल हिंसक, तुम हो रूहानी डबल अहिंसक। बादशाही लेने के लिए देखो तुम बैठे कैसे हो। जानते हो बाप की याद से विकर्म विनाश होंगे। यही फुरना लगा

हुआ है। मेहनत सारी याद करने में ही है इसलिए भारत का प्राचीन योग गाया हुआ है।

उत्तर 8- *A.शिवबाबा*

बाप कहते हैं जो जिस भावना से याद करते हैं, मैं उनकी भावना पूरी कर सकता हूँ। कोई गणेश का पुजारी होगा तो उनको गणेश का साक्षात्कार करायेंगे। साक्षात्कार होने से समझते हैं बस मुक्तिधाम में पहुँच गया। परन्तु नहीं, मुक्तिधाम में कोई जा न सके।

उत्तर 9- *B.जब तमोप्रधान बनते हैं तब से*

रावण का 5 विकारों का पुतला बना दिया है - 10 शीश का। उस रावण को दुश्मन समझकर जलाते हैं। सो भी ऐसे नहीं कि द्वापर आदि से ही जलाना शुरू करते हैं। नहीं, *जब तमोप्रधान बनते हैं तब कोई मत-मतान्तर वाले बैठ यह नई बातें निकालते हैं।*

उत्तर 10- *A.जापान में*

ज्ञान सूर्य नाम से जापान में वो लोग अपने को सूर्यवंशी कहलाते हैं। वास्तव में सूर्यवंशी तो देवतायें ठहरे। सूर्यवंशियों का राज्य सतयुग में ही था। गाया भी जाता है ज्ञान सूर्य प्रगटा..... तो भक्तिमार्ग का अन्धियारा विनाश।

उत्तर 11- *D.बाप और वर्से को याद करो,विनाश सामने खड़ा है*

अन्धों की लाठी बनना है, सिर्फ यह बतलाना है कि बाप और वर्से को याद करो, विनाश सामने खड़ा है। जब विनाश का समय नज़दीक देखेंगे तब तुम्हारी बातों को सुनेंगे। तुम्हारी सर्विस भी वृद्धि को पाती जायेगी, समझेंगे बरोबर ठीक है। तुम रड़ियाँ तो मारते रहते हो कि विनाश होना है।

उत्तर 12- *A.जरूर वह सामने आयेंगे,वैर जरूर लेंगे*

जितना बाप को याद करेंगे तो देह-अभिमान टूटता जायेगा और कोई की भी याद नहीं होगी। कितनी बड़ी मंजिल है, *सिवाए एक बाप के और कोई के साथ दिल नहीं लगानी है। नहीं तो जरूर वह सामने आयेंगे। वैर जरूर लेंगे।* बहुत ऊंची मंजिल है। कहना तो बड़ा सहज है, लाखों में कोई एक दाना निकलता है।

उत्तर 13- *B.हमारा बहुत नुकसान होगा*

रास्ता तो बहुत सहज है। यह भी समझते हैं तुमसे भूलें होती रहती हैं। परन्तु ऐसा न हो - भूलों में फँसते ही जाओ। एक बारी भूल हुई फिर वह भूल नहीं करनी चाहिए। अपना कान पकड़ना चाहिए, फिर यह भूल नहीं होगी। पुरुषार्थ करना चाहिए। *अगर घड़ी-घड़ी भूल होती है तो समझना चाहिए हमारा बहुत नुकसान होगा।* भूल करते-करते तो दुर्गति को पाया है ना।

उत्तर 14- *B.इज़ी*

स्लोगन:- *स्वभाव इज़ी और पुरूषार्थ अटेन्शन वाला बनाओ*

उत्तर 15- *A.पुरानी दुनिया में कोई भी सार नही है*

मीठे बच्चे - *इस पुरानी दुनिया में कोई भी सार नहीं है, इसलिए तुम्हें इससे दिल नहीं लगानी है,* बाप की याद टूटी तो सजा खानी पड़ेगी

उत्तर 16- *B.देह सहित सब-कुछ भूल जाना है*

बाप कहते हैं अपने को आत्मा समझो तो शरीर का भान न रहे। नहीं तो बाप की आज्ञा का उल्लंघन हो जाता है। *देह-अहंकार से नुकसान बहुत होता है इसलिए देह सहित सब-कुछ भूल जाना है।* सिर्फ बाप को और घर को याद करना है।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (65) खण्ड - {130}

प्रश्न 1- कोई तरफ कुदृष्टि जाये तो -

A- फिर लूले-लंगड़े बन पड़ेंगे।

B- उसके आगे खड़ा भी नहीं होना चाहिए।

C- पाप है।

D- ऊंच पद पा नहीं सकेंगे।

प्रश्न 2- सबसे बड़ा पाप कौन-सा है ?

A- मनसा भी बुरे खयालात चलना

B- किसी पर भी बुरी दृष्टि रखना

C- श्रीमत पर नही चलना

D- झूठ बोलना

प्रश्न 3- अगर विनाशी धन है तो -

A- अलौकिक सेवा में लगाते जाओ।

B- विनाशी धन का दान करो

C- पवित्र को दान करो

D- पात्र देख कर ही दान करो

प्रश्न 4- बाप कहते हैं अपने दिल से पूछो-

A- कितने तक हम पुण्य आत्मा बने हैं?

B- कोई पाप तो नहीं करते हैं?

C- कहाँ तक योग में रहते हैं?

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- रीइनकारनेशन किस का होता है ?

A- शिवबाबा

B- हम आत्मा

C- ब्रह्मा, विष्णु, शंकर

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 6- अलग पर्याय शब्द का चुनाव कीजिए ?

A- निर्लोभी

B- निराकारी

C- निर्मोही

D- निर्विकारी

प्रश्न 7- अब श्रीकृष्ण को याद करने से तो एक भी पाप नहीं कटेगा क्योंकि -

A- यह तो अभी हैं नहीं

B- वह देवता है।

C- वह तो सतयुग का प्रिन्स है।

D- वह तो शरीरधारी है।

प्रश्न 8- रत्न होते हैं ?

A- 108
B- 16
C- 9
D- 8

प्रश्न 9- कौन से सब्जेक्ट में सब बहुत कच्चे हैं ?

A- ज्ञान

B- योग

C- धारणा

D- सेवा

प्रश्न 10- आत्मा रूपी ज्योति में कौन सा घृत डालो तो ज्योत जगी रहेगी ?

A- ज्ञान-योग

B- ज्ञान

C- योग

D- दृढ़ संकल्प

प्रश्न 11- कौन-सा नया रास्ता तुम बच्चों के सिवाए कोई भी नहीं जानता है ?

A- भगवान से मिलने का

B- मुक्ति धाम का

C- सुख का

D- घर का रास्ता वा स्वर्ग जाने का रास्ता

प्रश्न 12- बाप कहते हैं बड़ी भारी मंजिल है -

A- कर्मातीत बनने की

B- अशरीरी बनने की

C- देह को याद नहीं करना है,

D- एक बाप को याद करना

प्रश्न 13- बड़ी कमाल क्या है ?

A- इतनी सब आत्माओं को बाप का पैगाम देना।

B- एक शिवबाबा को ही याद करना है। किसी देहधारी को नहीं।

C- इतने सब शरीरों का विनाश कराए सब आत्माओं को साथ में ले जाना।

D- मित्र-सम्बन्धी आदि सब तरफ से याद निकालकर एक बेहद की खुशी में ठहर जाएं।

प्रश्न 14- कोई सतसंग में आपस में मिलते हैं तो नमस्ते करते हैं, पाँव पड़ते हैं। पॉव क्यो पड़ते है ?

A- आशीर्वाद मिलता है।

B- आत्मा सो परमात्मा कहते हैं।

C- पतित है इसलिए।

D- नम्रता के लिए सिखलाते हैं।

प्रश्न 15- जिन बच्चों में योगबल है, उनकी निशानी क्या होगी ?

A- उन्हें किसी भी बात में थोड़ा भी धक्का नहीं आयेगा

B- अवस्था एक रस होगी

C- बहुत सेवा करेगें

D- सदा संतुष्ट होंगे

प्रश्न 16- गुडमॉर्निंग का फैशन भी कहां से निकला है ?

A- अमेरिका से

B- विदेश से

C- यूरोपियन से

D- सतसंग से

भाग (65) खण्ड {130} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.उसके आगे खड़ा भी नही होना चाहिए*

बाप जो श्रीमत देते हैं उस पर पूरा चलते रहें, यह खबरदारी चाहिए। माया के तूफान तो भल आयें परन्तु कर्मेन्द्रियों से कोई विकर्म नहीं करना है। *कोई तरफ कुदृष्टि जाये तो उसके आगे खड़ा भी नहीं होना चाहिए।* एकदम चला जाना चाहिए। मालूम पड़ जाता है - इनकी कुदृष्टि है।

उत्तर 2- *B.किसी पर भी बुरी दृष्टि रखना*

किसी पर भी बुरी दृष्टि रखना - यह सबसे बड़ा पाप है। तुम पुण्य आत्मा बनने वाले बच्चे किसी पर भी बुरी दृष्टि (विकारी दृष्टि) नहीं रख सकते। जाँच करनी है

हम कहाँ तक योग में रहते हैं? कोई पाप तो नहीं करते हैं? ऊंच पद पाना है तो खबरदारी रखो कि ज़रा भी कुदृष्टि न हो।

उत्तर 3- *A.अलौकिक सेवा में लगाते जाओ*

भक्त लोग दान करते हैं विनाशी धन का। अभी तुमको दान करना है अविनाशी धन का, न कि विनाशी। *अगर विनाशी धन है तो अलौकिक सेवा में लगाते जाओ।* पतित को दान करने से पतित ही बन जाते हो। अभी तुम अपना धन दान करते हो तो इसका एवजा फिर 21 जन्मों के लिए नई दुनिया में मिलता है।

उत्तर 4- *D.उपरोक्त सभी*

तुम भी कहते हो ना हम तो लक्ष्मी को वरेंगे। नारी से लक्ष्मी, नर से नारायण बनेंगे। बाप कहते हैं *अपने दिल से पूछो - कितने तक हम पुण्य आत्मा बने हैं? कोई पाप तो नहीं करते हैं? कहाँ तक योग में रहते हैं?*

उत्तर 5- *D. A और B*

बाप कहते हैं यह खेल बना हुआ है। कल्प बाद फिर ऐसा होगा। अब ड्रामा प्लैन अनुसार मैं आया हूँ तुमको समझाने। इसमें ज़रा भी फर्क नहीं पड़ सकता। बाप एक सेकण्ड की देरी नहीं कर सकते। *जैसे बाबा का रीइनकारनेशन होता है, वैसे तुम बच्चों का भी रीइनकारनेशन होता है,* तुम अवतरित हो। आत्मा यहाँ आकर फिर साकार में पार्ट बजाती है, इसको कहा जाता है अवतरण। ऊपर से नीचे आया पार्ट बजाने।

उत्तर 6- *B.निराकारी*

मूल बात है ही काम विकार की, पतित माना विकारी। विकारी कहा ही जाता है पतित बनने वाले को, जो विकार में जाते हैं। क्रोध करने वाले को ऐसे नहीं कहेंगे कि यह विकारी है। क्रोधी को क्रोधी, लोभी को लोभी कहेंगे। देवताओं को निर्विकारी कहा जाता है। *देवतायें

निर्लोभी, निर्मोही, निर्विकारी हैं। वह कभी विकार में नहीं जाते।*

उत्तर 7- *D.वह तो शरीरधारी है*

इस भारत के योग की ही बहुत महिमा है। परन्तु योग कौन सिखलाते हैं - यह किसको पता नहीं है। गीता में श्रीकृष्ण का नाम डाल दिया है। *अब श्रीकृष्ण को याद करने से तो एक भी पाप नहीं कटेगा क्योंकि वह तो शरीरधारी है।* पांच तत्वों का बना हुआ है। उनको याद किया तो गोया मिट्टी को याद किया, 5 तत्वों को याद किया।

उत्तर 8- *C. 9*

9 रत्न गाये जाते हैं। 108 रत्न कब सुने हैं? 108 रत्नों की कोई चीज़ नहीं बनाते हैं। बहुत हैं जो इन बातों को पूरा समझते नहीं हैं। याद को ज्ञान नहीं कहा जाता। ज्ञान सृष्टि चक्र को कहा जाता है। शास्त्रों में ज्ञान

नहीं है, वह शास्त्र हैं भक्ति मार्ग के। बाप खुद कहते हैं मैं इनसे नहीं मिलता।

उत्तर 9- *B.योग*

याद की ही मुख्य बात है। पतित ही पुकारते हैं कि आकर पावन बनाओ। मुख्य है पावन बनने की बात। इसमें ही माया के विघ्न पड़ते हैं। *शिव भगवानुवाच - याद में सब बहुत कच्चे हैं।* अच्छे-अच्छे बच्चे जो मुरली तो बहुत अच्छी चलाते हैं परन्तु याद में बिल्कुल कमज़ोर हैं। योग से ही विकर्म विनाश होते हैं। योग से ही कर्मेन्द्रियाँ बिल्कुल शान्त हो सकती हैं।

उत्तर 10- *A.ज्ञान-योग*

मीठे बच्चे - *आत्मा रूपी ज्योति में ज्ञान - योग का घृत डालो तो ज्योत जगी रहेगी* , ज्ञान और योग का कॉन्ट्रास्ट अच्छी रीति समझना है

उत्तर 11- *D.घर का रास्ता वा स्वर्ग जाने का रास्ता*

घर का रास्ता वा स्वर्ग जाने का रास्ता अभी बाप द्वारा तुम्हें मिला है। तुम जानते हो शान्तिधाम हम आत्माओं का घर है, स्वर्ग अलग है, शान्तिधाम अलग है। *यह नया रास्ता तुम्हारे सिवाए कोई भी नहीं जानता। तुम कहते* हो अब कुम्भकरण की नींद छोड़ो, आंख खोलो, पावन बनो। पावन बनकर ही घर जा सकेंगे।

उत्तर 12- *D.एक बाप को याद करना*

तुम सब बहादुर बनते हो। सच्चे-सच्चे महावीर-महावीरनियाँ तुम हो। तुम्हारा नाम है शिव शक्ति, शेर पर सवारी है और महारथियों की हाथी पर। *फिर भी बाप कहते हैं बड़ी भारी मंजिल है। एक बाप को याद करना*

उत्तर 13- *D.मित्र-सम्बन्धी आदि सब तरफ से याद निकालकर एक बेहद की खुशी में ठहर जाएं।*

तुम्हारे में भी नम्बरवार हैं जिनकी बुद्धि में अच्छी रीति बैठता है। अगर धारणा हो तो वह नशा सदैव चढ़ा रहे। नशा कोई को बहुत मुश्किल चढ़ा रहता है। *मित्र-सम्बन्धी आदि सब तरफ से याद निकालकर एक बेहद की खुशी में ठहर जाएं, बड़ी कमाल है।* हाँ, यह भी अन्त में होगा।

उत्तर 14- *D.नम्रता के लिए सिखलाते हैं*

कोई सतसंग में आपस में मिलते हैं तो नमस्ते करते हैं, पाँव पड़ते हैं। यह पाँव आदि पड़ना नम्रता के लिए सिखलाते हैं। यहाँ तो तुम बच्चों को देही-अभिमानी बनना है। आत्मा, आत्मा को क्या करेगी? फिर भी कहना तो होता है। जैसे बाबा को कहेंगे - बाबा नमस्ते।

उत्तर 15- *A.उन्हें किसी भी बात में थोड़ा भी धक्का नही आयेगा*

जिन बच्चों में योगबल है उन्हें किसी भी बात में थोड़ा भी धक्का नहीं आयेगा , कहाँ भी लगाव नहीं होगा। समझो आज किसी ने शरीर छोड़ा तो दु:ख नहीं हो सकता, क्योंकि जानते हैं इनका ड्रामा में इतना ही पार्ट था। आत्मा एक शरीर छोड़ जाए दूसरा शरीर लेगी।

उत्तर 16- *C.यूरोपियन से*

फैमली में एक-दो को नमस्ते वा गुडमॉर्निंग करें - इतना शोभता नहीं है। घर में तो खान-पान खाया ऑफिस में गया, फिर आया, यह चलता रहता है। नमस्ते करने की दरकार नहीं रहती। *गुडमॉर्निंग का फैशन भी यूरोपियन से निकला है।* नहीं तो आगे कुछ चलता नहीं था।